वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 101 | सोमवार4 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अश्विनी विश्नोई ने कुश्ती में गोल्ड जीतकर बढ़ाया राजस्थान का मान: मुख्यमंत्री शर्मा

मुख्यमंत्री ने अश्विनी विश्नोई का किया सम्मान

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता भीलवाड़ा निवासी अश्विनी विश्नोई ने मुलाकात की। शर्मा ने दुपट्टा ओढ़ाकर अश्विनी का सम्मान किया तथा उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। भीलवाड़ा की बेटी अश्विनी ने कुश्ती में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे विश्व में राजस्थान का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने अश्विनी विश्नोई की इस सफलता में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनके पिता मुकेश विश्नोई को भी बधाई दी। उल्लेखनीय है कि अश्विनी विश्नोई ने एथेंस में अंडर 17 वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप के 65 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही अश्विनी वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली प्रदेश की प्रथम महिला पहलवान बनी है।

मेघ उत्सव में मूरालाला मारवाड़ा की कबीरवाणी ने बांधा समा

जवाहर कला केंद्र में गूंजीं सूफी सुरों की मधुर ध्वनियां

मीरा बाई के भजनों के साथ हुआ मेघ उत्सव का भक्तिमय समापन

जयपुर. कासं

जवाहर कला केंद्र में चल रहे मेघ उत्सव के अंतिम दिन, रविवार को विश्वप्रसिद्ध कबीर सूफी गायक मूरालाला मारवाड़ा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को आत्मविभोर कर दिया। गुजरात के कच्छ क्षेत्र से पधारे मूरालाला ने कबीर की वाणी को अपनी विशिष्ट लोक-सूफी शैली में प्रस्तुत कर माहौल को आध्यात्मिक रस और संगीतमय भावनाओं से भर दिया। ''मन लागा मेरे यार फकीरी में'', ''झीनी-झीनी बीनी चदरिया'' जैसे कालजयी पदों के साथ-साथ मीरा बाई के भजनों की गायन प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में लोक, सूफी और भक्ति का जो अनूठा संगम देखने को मिला, उसने मेघ उत्सव को एक यादगार अनुभव में बदल दिया।कार्यक्रम की शुरूआत से ही संगीतप्रेमियों की उत्साही उपस्थिति देखने को मिली और समापन तक सभागार तालियों की गूंज से गूंजता रहा। इस अवसर पर डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रेया गुहा (आईएएस), रेरा चेयरपर्सन वीनू गुप्ता, पूर्व मुख्य सचिव श्री डीबी गुप्ता, प्रमुख महालेखाकार श्री सतीश गर्ग, राजीविका की परियोजना निदेशक नेहा गिरी, भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी कविता सिंह एवं श्री निशांत जैन सहित अनेक प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित रहे। श्रेया गुहा ने बताया कि मेघ उत्सव का आयोजन मानसून के स्वागत और राजस्थान की समृद्ध लोक-संस्कृति के उत्सव रूप में किया गया। इस दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विश्वविख्यात कलाकारों ने शिरकत की। उत्सव का आयोजन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के उत्तरी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (पटियाला), पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (उदयपुर), जवाहर कला केंद्र एवं राजीविका के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में समाज, प्रशासन, राजनीति, मीडिया, शिक्षा और संस्कृति जगत की अनेक प्रमुख हस्तियों के साथ बड़ी संख्या में कला प्रेमियों की उपस्थिति रही।

SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN

SPECTA QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.

EnactraX MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Pragya

JAIPUR LEARNING FESTIVAL

PRESENTS

WORLD'S LONGEST

Saurabh Jain

NON-STOP LEARNING & MOTIVATIONAL FEST

30 HOURS NON-STOP SPEECH

PERSONAL GROWTH · PROFESSIONAL GROWTH · SOCIAL GROWTH

Sunday, 9 Nov. 2025

TIME: 7:00 AM (9th Nov)
3:00 PM (10th Nov)

VENUE: BIRLA AUDITORIUM
STATUE CIRCLE, JAIPUR(Raj).

PHOTO & VIDEOGRAPHY PARTNER
The Foto Gallery

PRIME TIME LEARNING PARTNER
cityvibes Premium Ethnic Menswear
Vandanam Group Real Estate

OFF PRIME TIME LEARNING PARTNER
ocean home

Contact Us: 9376115577

Website: www.pragyapersonalitydevelopment.com

मैत्री संबंध नहीं, संस्कार हैः युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

मित्रता कोई औपचारिकता नहीं, वह आत्मिक जुड़ाव और जीवन-संस्कार है। श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने रविवार को जैन स्थानक, पनवेल में फ्रेंडशिप डे के अवसर पर आयोजित विशेष प्रवचन में कहीं उन्होंने कहा यह दिन केवल बाह्य उत्सव नहीं, आत्मावलोकन का अवसर है। क्या हम किसी के सच्चे मित्र हैं? क्या हमारे जीवन में कोई ऐसा है जिसे हम पूरे मन से अपना कह सकें? युवाचार्यश्री ने मित्रता को बिना रिश्ते का सबसे पवित्र रिश्ता बताया, जिसमें निस्वार्थ समर्पण, समान दृष्टिकोण और आत्मविकास की प्रेरणा छुपी होती है। उन्होंने कहा कि सच्चा मित्र वही होता है जो संकट में ढाल बनकर साथ खड़ा हो और सुख में मौन होकर पीछे रहे। मित्रता में दूध और पानी जैसा संबंध होना चाहिए दूध, पानी को अपनी खूशबू और स्वाद देकर उसे अपने जैसा बना देता है। उसी तरह सच्चा मित्र अपने साथी को ऊपर उठाने की प्रेरणा देता है, उसकी कमजोरियों को नहीं अपनाता। आज की मित्रता ताली और प्याली तक सीमित हो गई है, कुछ केवल प्रशंसा तक, तो कुछ साथ चाय तक। रील्स की दुनिया में रियल मित्रता खोती जा रही है।सबसे पहले स्वयं को समझो, स्वयं से मित्रता करो। जब मन और आत्मा में समरसता होगी, तभी परिवार और समाज से सच्ची मित्रता संभव है। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष राजेश बांठिया ने बताया प्रवचन के पश्चात मेवाड़ संघ प्रोफेशनल फोरम का जैन तत्व दर्शन सेमिनार में डॉक्टरों और सीएज को संबोधित करते हुए युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने कहा जैन धर्म कर्मवाद और अनेकांतवाद पर आधारित है। शरीर और आत्मा के भेद को समझे बिना, जीवन की समस्याएं सुलझ नहीं सकतीं। उन्होंने प्रोफेशनल्स को संदेश देते हुए कहा आपकी बुद्धि,आपकी ताकत है। उसका उपयोग ऑफिस में करें, घर को प्रोफेशनल जोन न बनाएं। घर में आत्मीयता और सहनशीलता आवश्यक है, तभी जीवन में समरसता बनी रहती है। और जैनतव्व के सिद्धांतों को जीवन में उतारें व्यसनो से बचे। प्रोफेशनल्स नवरतनमल सोनी, हस्तीमल संचेती, राजेंद्र चपलोत, रोशनलाल वड़ाला , लोकेश कोठारी, संयोजक कमलकांत मादरेचा, शुभ कोठारी,डॉ.पुष्पा बडाला,ऋषभ हिंगड़ निविशा चपलोत आदि 100 से अधिक प्रोफेशनल्स मेम्बर एवं मेवाड़ संघ के पूर्व अध्यक्ष किशनलाल परमार जीतो चेयरमैन महेंद्र चोरडिया आदि की सेमिनार और प्रवचन सभा मे उपस्थिति रही। जैन पाठशाला की पिंकी जैन बताया युवाचार्यश्री के सानिध्य मे बाल संस्कार शिविर रखा गया जिसमे 80से अधिक बच्चों ने की उपस्थिति रही।

-प्रवक्ता सुनिल चपलोत

जहाजपुर के लिए एक दिवसीय धार्मिक तीर्थ यात्रा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन के तत्वावधान में महल योजना, जगतपुरा जयपुर से जहाजपुर के लिए बस द्वारा एक दिवसीय धार्मिक तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया। समन्वयक अभिषेक सांघी ने 'जयघोष' के साथ बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रियों ने जहाजपुर स्थित अतिशय क्षेत्र श्री मुनिसुव्रतनाथ स्वस्तिधाम में दर्शन, प्रातः अभिषेक पूजा के बाद परम पूज्य 105 आर्यिका माताजी स्वस्तिभूषण के ससंघ दर्शन का सौभाग्य मिला। श्रद्धालुओं को माताजी की वाणी से धर्म देशना प्रवचन सुनने का भी आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हुआ। इसके बाद, यात्रा आवाँ स्थित श्री शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र सुदर्शनोदय तीर्थ और मेहंदवास स्थित श्री चंद्रप्रभु अतिशय क्षेत्र चंद्रपुरी पहुंची । अंत में श्रद्धालुओं ने टोंक में विराजित परम पूज्य 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा के दौरान, श्रद्धालुओं ने मार्ग में पड़ने वाले अन्य मंदिरों और अतिशय क्षेत्रों के भी दर्शन किए। आयोजक समिति से दीपक बोहरा और दर्पण बिलाला ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ चातुर्मास में विराजित आचार्य और आर्यिका संघ का आशीर्वाद प्राप्त करना था। श्रावण मास में आयोजित इस यात्रा से श्रद्धालु धर्म और अध्यात्म के रस में सराबोर हो गए। यात्रा में नमन भागचंद, अंकित नेहा, नवीन रितु, मैंना, आयुष, नेम कुमार इंदु, रूपेश अंजू, हेमंत ज्योति आदि समाजजन उपस्थित रहे।

गोस्वामी तुलसीदास जी की 529वीं जयंती व्याख्यान माला आयोजित

आत्मा को निर्मल करती है रामचरितमानसः प्रो. बनबारीलाल गौड़

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोस्वामी तुलसीदास जी की 529वीं जयंती के अवसर पर मन्दिर श्री रघुनाथ जी एवं विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान बैनर तले व्याख्यान माला ढेहर के बालाजी स्थित मंदिर रघुनाथ जी सीताराम जी की बगीची में आयोजित की गई। इस दौरान श्रद्धा व भक्ति से परिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता मानस मर्मज्ञ पं. महेशदत्त शर्मा 'गुरुजी' ने गोस्वामी तुलसीदास जी के जीवन-दर्शन, काव्य-साधना और उनके रचित रामचरितमानस व विनय पत्रिका की महत्ता को अत्यंत संगीतमय व भावविभोर कर देने वाले शैली में प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्य अतिथि, राष्ट्रपति सम्मानित वैद्य प्रो. बनबारीलाल गौड़ ने कहा कि जैसे औषधि शरीर को स्वस्थ करती है, वैसे ही मानस आत्मा को निर्मल करती है। उन्होंने इसके नियमित पठन व गायन की प्रेरणा दी,इधर महामंडलेश्वर रघुवीर दास योगीराज जी महाराज ने रामचरितमानस की चैपाइयों को साबर मंत्र के तुल्य बताते हुए कहा कि रामायण का पाठ मन, तन व जीवन की शुद्धि के लिए एक दिव्य औषधि है। व्याख्यान माला में महा महामंडलेश्वर रामरतन दास महाराज, महामंडलेश्वर रामसेवक दास महाराज, महंत हरिशंकर दास वेदान्ती व महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी महाराज सहित अन्य लोगों ने शिरकत की। अंत में महन्त हरिशंकर दास वेदान्ती जी ने सभी अतिथियों, संतवृंदों, श्रोताओं तथा आयोजन समिति के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, विद्वानजन, संस्कृत प्रेमी तथा श्रद्धालुजनों की विशाल उपस्थिति ने आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया।

वेद ज्ञान

जीवन के आयाम

मानव का समस्त ज्ञान अनुभव से उत्पन्न होता है। अनुभव के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार से हम कुछ भी नहीं जान सकते। यही वजह है कि आम जीवन में भी व्यक्ति के अनुभव को वरीयता दी जाती है। विज्ञान भी मानता है कि जगत में किसी भी पदार्थ का नाश नहीं होता। इस प्रकार अभिव्यक्तियों की एक ही शृंखला चक्र की भांति बार-बार हमारे समक्ष उपस्थित होती रहती है। विविध ब्रह्मांड सूक्ष्मगत रूपों में प्रस्तुत हो रहे हैं। स्थूल रूप धारण कर रहे हैं, फिर लीन होकर सूक्ष्म भाव में जा रहे हैं। वे फिर से इस सूक्ष्म भाव से स्थूल भाव में आते हैं। कुछ समय तक उसी अवस्था में रहते हैं और फिर धीरे-धीरे पूर्व स्थिति में चले जाते हैं। जीवन के संबंध में भी यही सत्य है। दरअसल मन के साथ मस्तिष्क का विशेष संबंध है और शरीर का विनाश हो जाने पर वह नष्ट हो जाता है। आत्मा ही एकमात्र प्रकाशक है। इसलिए उसके हाथ यंत्र के समान हैं और इस यंत्र के माध्यम से आत्मा बा साधन पर अधिकार जमा लेती है। इसी प्रकार प्रत्यक्ष बोध होता है। मस्तिष्क के इन सब केंद्रों को इंद्रियां कहते हैं। ये इंद्रियां इन यंत्रों को लेकर मन को अर्पित कर देती हैं। इसके बाद मन इन्हें बुद्धि के निकट लाता है फिर बुद्धि इन्हें अपने सिंहासन पर विराजमान महिमाशाली आत्मा को प्रदान करती है। आखिर में आत्मा इन्हें देखती है और फिर आवश्यक आदेश देती है। तत्पश्चात मन इन मस्तिष्क केंद्रों यानी इंद्रियों पर कार्य करता है और फिर इंद्रियां स्थूल शरीर पर कार्य करना आरंभ कर देती हैं। मनुष्य की आत्मा ही इन सबकी वास्तविक अनुभवकर्ता, सृष्टा और सब कुछ है। अब सवाल यह उठता है मृत्यु क्या है? दरअसल अभिव्यक्ति के एक रूप विशेष को हम जीवन कहते हैं और उसी के दूसरे रूप विशेष को मृत्यु। सभी यौगिक पदार्थ नियमों से संचालित होते हैं। नियम के परे यदि कोई वस्तु हो तो वह कदापि यौगिक नहीं हो सकती। चूंकि मनुष्य की आत्मा कार्य, कारण और वाद से परे है, इसलिए वह यौगिक नहीं है। यह सदा मुक्त है और नियमों के अंतर्गत सभी वस्तुओं का नियमन करती है। उसका कभी विनाश नहीं हो सकता।

संपादकीय

बेहद गंभीर सवाल...

किसी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मताधिकार का सबसे बड़ा महत्त्व होता है। इस लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, क्योंकि यहां मताधिकार प्राप्त नागरिकों की संख्या विश्व में सबसे ज्यादा है। हर पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहे, इसका जिम्मा चुनाव आयोग पर है। ऐसे में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आयोग की ओर से किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार की गई मसविदा मतदाता सूची से

राज्य के पैंसठ लाख लोगों का बाहर होना चौंकाने वाला कदम है। सवाल है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में मतदाता कहां चले गए? चुनाव आयोग का दावा है कि इनमें से अधिकतर व्यक्तियों की या तो मौत हो चुकी है या वे राज्य से पलायन कर चुके हैं, यानी किसी दूसरे राज्य में रह रहे हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 7.9 करोड़ है, जो नई मसविदा मतदाता सूची में घटकर 7.24 करोड़ रह गई है। एक अनुमान के मुताबिक, औसतन एक विधानसभा क्षेत्र से पच्चीस से तीस हजार लोगों के नाम सूची में शामिल नहीं हैं। इस पूरी प्रक्रिया पर मुख्यतः दो कारणों से सवाल उठ रहे हैं। पहला, विधानसभा चुनाव में कुछ माह शेष रहने पर ही यह प्रक्रिया शुरू क्यों की गई? दूसरा, चुनाव आयोग की ओर से तय की गई नागरिकता प्रमाणपत्र नियमावली में आधार, मतदाता पहचान-पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में शामिल क्यों नहीं किया गया? इसके जवाब में चुनाव आयोग के पास अपने तर्क हैं, मगर कई सामाजिक संगठन और विपक्षी दल इनसे इत्तिफाक नहीं रखते। यह भी सच है कि मसविदा सूची अंतिम नहीं है और जिन लोगों के नाम शामिल नहीं हैं, उन्हें नए सिरे से आवेदन करने का अवसर मिलेगा। मगर, इससे सबसे ज्यादा परेशान वे लोग हैं, जिन्होंने पिछले चुनावों में मतदान किया था और अब नई मसविदा सूची में उनका नाम हटा दिया गया है। सवाल यह भी उठ रहा है कि मसविदा सूची से बाहर हुए लोग अगर मतदान के पात्र नहीं थे तो पहले उनका पंजीकरण कैसे हुआ और किस आधार पर उन्हें मतदाता पहचान-पत्र जारी किया गया? व्यवस्था में खामी पहले थी या अब है, इसका जवाब आना चाहिए। एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जिन लोगों के पास चुनाव आयोग की नियमावली के अनुरूप अपनी नागरिकता सिद्ध करने का प्रमाणपत्र नहीं है, उन्हें उसे बनवाने में वक्त लग सकता है और अगर निर्धारित समय पर यह सब नहीं हो पाया, तो वे मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। विपक्षी दल यह आरोप भी लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू में यह आश्वासन दिया गया था कि मतदाता सूची से हटाए गए प्रत्येक नाम की जानकारी कारण सहित सभी राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाएगी, मगर अब ऐसा नहीं किया जा रहा है। वहीं, सत्ता पक्ष का कहना है कि बिहार में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी और रोहिंग्या रह रहे हैं और उनमें से ज्यादातर ने फर्जी तरीके से मतदाता पहचान-पत्र बनवाए हैं। ऐसे में उन्हें मतदाता सूची से बाहर करना जरूरी है।

परिदृश्य

महिला सुरक्षा

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठने वाले सवालों पर सरकारें आमतौर पर भविष्य में सब कुछ ठीक कर देने के आश्वासनों की औपचारिकता पूरी करने में कोई कमी नहीं करतीं, लेकिन जब जमीनी कार्रवाई के स्तर पर कुछ ठोस हासिल की बात होती है, तब सच्चाई सामने आ जाती है। हालत यह है कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जाने वाले अभियानों में

या तो दृष्टि की कमी साफ दिखती है या फिर हद दर्जे की लापरवाही बरती जाती है। कई बार महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए प्रकारांतर से उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। गुजरात के अहमदाबाद से आई यह खबर हैरान करती है कि यातायात पुलिस की ओर से सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता फैलाने के लिए जिस तरह के संदेशों वाले पोस्टर लगाए गए, उससे यही पता चलता है कि या तो ऐसे आयोजन संचालित करने वाले के पास न्यूनतम संवेदना और समझ नहीं है या फिर वे एक आपराधिक मानसिकता का बचाव कर रहे हैं। गौरतलब है कि अहमदाबाद में यातायात पुलिस की ओर से सुरक्षा अभियान के लिए कथित तौर पर जो पोस्टर लगाए गए थे, उनमें बलात्कार या सामूहिक बलात्कार से बचने के लिए महिलाओं को ''देर रात पार्टी में'' या ''अपने दोस्त के साथ अंधेरे और सुनसान इलाके में'' न जाने की सलाह दी गई थी। यह महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों के प्रति एक बेहद जड़, संकीर्ण और प्रतिगामी दृष्टिकोण है। जाहिर है, इस मामले ने तूल पकड़ना शुरू किया, तब अहमदाबाद यातायात पुलिस ने सफाई दी कि ऐसे संदेशों वाले पोस्टरों में उनका हाथ नहीं है। सवाल है कि अगर यातायात पुलिस की जानकारी या सहमति के बिना किसी कथित गैरसरकारी संगठन ने ऐसे पोस्टर लगाए तो सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाने से पहले किसी जिम्मेदार अधिकारी ने इसकी जांच क्यों नहीं की? सामाजिक मनोविज्ञान की हालत यह है कि महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर काम करने वाले किसी गैरसरकारी संगठन की भी दृष्टि इस कदर संकीर्णता और जड़ता से ग्रस्त है। अफसोस की बात है कि जो संगठन और सरकारी महकमे महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करने का दावा करते हैं, उनके भीतर इतनी भी बुनियादी संवेदनशीलता और समझ नहीं है कि वे किसी अपराध के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा न करें।

दिगंबर जैन पाठशाला डडूका में रविवारीय पूजा में रविव्रत पारसनाथ एवं महावीर जिन पूजन आयोजित

डडूका. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन पाठशाला डडूका में रविवारीय पूजा क्रम में इस रविवार प्रातः बच्चो ने भगवान पारसनाथ के जलाभिषेक के बाद रविव्रत पूजा एवं भगवान महावीर जिन पूजन में हिस्सा लिया। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने बच्चो को पूजा के दौरान अष्ट द्रव्य, स्थापना, विधान, रविव्रत कथा, जयमाला, शांति पाठ, वृंदावन दास की जीवनी, शांति पाठ, महार्घ, तीर्थ क्षेत्र, सिद्ध क्षेत्र, अतिशय क्षेत्र, पंच तीर्थ, विसर्जन पाठ एवं भगवान के पंच कल्याणको पर विस्तृत जानकारियों को साझा किया। पूजन में रियल जैन, सांची जैन, मानवी जैन, कल्प जैन, कथनी जैन, हर्षल जैन, भाग्य जैन , मिष्ठी जैन, माही जैन, सिद्धम जैन, भाग्य भराड़ा, संचित जैन तथा दीक्षिता जैन ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व पाठशाला की पूर्व छात्राओं गुणाक्षी जैन और जीनी जैन ने बच्चों को अपनी सफलता की कहानियां सुनाई और बच्चों खेल कूद ओर अध्ययन में बराबर रुचि रखने का आह्वान किया। सांगानेर परीक्षा बोर्ड संबंधी समस्त सूचनाएं बच्चों और अभिभावकों के लिए शेयर की गई। संचालन अजीत कोठिया ने किया आभार मानवी जैन ने व्यक्त किया। आयोजन मे 24छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।

सांसारिक इच्छाओं, आसक्तियों का त्याग मोक्ष का कारक है : मुनिश्री विलोकसागर

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। जैन दर्शन में त्याग की महिमा का गुणगान किया गया है । त्याग की भावना रखने वाला प्राणी सदैव सुख शांति से जीवन यापन करता है । जैन धर्म में त्याग एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो साधकों को आध्यात्मिक विकास और मोक्ष की प्राप्ति में मदद करती है। यह केवल वस्तुओं का त्याग नहीं है, बल्कि कर्मों और अहंकार का भी त्याग है। त्याग के माध्यम से, व्यक्ति सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर शांति और आनंद का अनुभव कर सकता है। जैन धर्म में त्याग का अर्थ है सांसारिक इच्छाओं और आसक्तियों का स्वेच्छा से परित्याग करना, जो आध्यात्मिक विकास और मुक्ति (मोक्ष) की प्राप्ति के लिए आवश्यक है। यह केवल वस्तुओं का त्याग नहीं है, बल्कि कर्मों के प्रति आसक्ति और अहंकार का भी त्याग है। जैन धर्म में त्याग को एक महत्वपूर्ण गुण माना गया है, जो साधकों को सांसारिक बंधनों से मुक्त होने में मदद करता है। त्याग का अर्थ है सभी प्रकार के मोहों से उत्पन्न पापकर्मों से पूर्णतः विरक्त हो जाना। ऐसा व्यक्ति पापपूर्ण विचार नहीं रखता, पापपूर्ण वचन नहीं बोलता और अपने शरीर, मन और आत्मा से कोई पापकर्म नहीं करता। वह न केवल सभी प्रकार के पापों से पूर्णतः विरत रहता है, बल्कि दूसरों द्वारा किए जाने वाले पाप का भी समर्थक नहीं बनता। इसलिए एक मनुष्य को मूल दुख अर्थात मोह का त्याग कर देना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जो व्यक्ति मोह अर्थात धन, वासना इत्यादि का त्याग कर देता है वह सदैव सुखी जीवन व्यतीत करता है। उक्त उद्गार बड़े जैन मंदिर में जैन संत मुनिश्री विलोक सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।

नि:शुल्क चिकित्सा सेवा शिविर का सफल आयोजन

अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला ईकाई की जनसेवा की अनूठी मिसाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन प्रदेश महिला ईकाई द्वारा जनकल्याण की भावना को साकार करते हुए M.L. Spine & Orthopedic Hospital, मालवीय नगर, जयपुर में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जाँच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष सम्मान प्रदान किया। इस शिविर में एम एल स्पाइन हॉस्पिटल के संस्थापक व वरिष्ठ डॉ मोहनलाल मीणा , डॉ मोहित मीणा , डॉ शिव शंकर व अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा हड्डी रोग, जोड़ों का दर्द, शरीर की कमजोरी आदि समस्याओं के लिए नि:शुल्क परामर्श किया। साथ ही इटऊ ब्लड शुगर, बीपी, ईसीजी इटकजैसी जांचें भी नि:शुल्क की गईं। कार्यक्रम की संयोजक मनीषा प्रमोद जैन 'भँवर' ने आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। फेडरेशन की प्रदेश महिला अध्यक्ष श्रीमती चारु गुप्ता ने बताया कि संगठन भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ध्रुवदास अग्रवाल व राजस्थान महामंत्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाजसेवा का सशक्त उदाहरण बताया। इस अवसर पर उपस्थित सुनीता बम्ब , आशा सामरिया, राखी जैन हेमलता अग्रवाल, मीना जैन चौधरी, रेखा खूंटेटा ,पारस जैन, रेखा जैन, मंजू शम्बू जैन ,कल्पना , नवरत्न देवी सहित सभी गणमान्यजनों एवं महिला इकाई की सक्रिय सदस्याओं ने मिलकर आयोजन को सफल बनाया।

साहित्य की आकर्षक विधा स्टोरी टेलिंग पर महावीर इंटरनेशनल की रात्रि चौपाल में 11वाचकों ने हिस्सा लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल की रात्रि चौपाल दोस्ती से सेवा की ओर में साहित्य की आकर्षक विधा स्टोरी टेलिंग पर आयोजित वर्क शॉप में 11वाचकों ने हिस्सा लिया। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की संजय बेद के संयोजन, शिल्पा जैन के निर्देशन एवं रतन जैन फलौदिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस विधा में जुली रांका, प्रदीप टोंग्या, सुरेश गांधी, उमा जैन , महेश कुमार मूंड, निधि गांधी तथा शिल्पा जैन ने रोचक, भाव प्रधान, एन जी ओ टच प्रधान, प्रेरक एवं सामाजिक मूल्यों आधारित कथाएं एवं लघु कहानियां प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। संचालक संजय बेद ने सभी कहानियों को अति प्रेरक बताते हुए सभी वाचकों का आभार व्यक्त किया। अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन ने रात्रि चौपाल में नित नए प्रकल्पों के आयोजन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

4 अगस्त किशोर कुमार की जयंती पर विशेष

किशोर के गीत याद रखना...!

चलते-चलते 'किशोर' के गीत याद रखना,
खण्डवावाले को यू दिल में बसाए रखना।
मध्य प्रदेश की माटी में सितारों की महक,
रमाकु रशोकि मालवा निमाड़ गया चमक।
पार्श्वगायक सदाबहार खूब हुआ दिलदार,
जिन्दगी के सफर में कम उम्र में गया हार।

चलते-चलते 'किशोर' के गीत याद रखना,
खण्डवावाले को यू दिल में बसाए रखना।
के एल सहगल से हुए थे काफी प्रभावित,
जादूगर आवाज बॉलीवुड में हुए स्थापित।
क्या सुखी-क्या दुखी यूडलिंग थी बहुमुखी,
आज भी सुन रहा सारा जग हो रहा सुखी।

चलते-चलते 'किशोर' के गीत याद रखना,
खण्डवावाले को यू दिल में बसाए रखना।
यू बना गायक-अभिनेता-निर्माता-निर्देशक,
ऐसी गहन प्रतिभा का नहीं देखा निवेशक।
खूब हसाता-रुलाता दूध जलेबी खा जाता,
इना-मीना-डीका, तारा रम पम गाते आता।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

33वां नि :शुल्क हड्डी रोग जांच शिविर में उमडी भीड़, 102 हुए लाभान्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से 33 वां निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) द्वारा अरिहंत हेल्थ केयर सेन्टर राजकीय चिकित्सालय के पास 3/8/25 रविवार को आयोजित किया गया। शिविर सयोजक वीर अशोकुमार गंगवाल, वीर भानु कुमार आदित्य, वीर रमेश कुमार पहाडिया, डाक्टर जितेश जैन ने शिविर शुभारंभ किया। वीर नरेश कुमार झाझंरी संदीप पाडंया ने बताया कि शिविर मे निमोद, नावा, मोलासर कुचामन के 102 लोग लाभान्वित हुए व 26 एक्सरे व 38 रक्त सम्बन्धी जांचें निःशुल्क की गई। वीर अध्यक्ष रामावतार के अनुसार शिविर का मुस्लीम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद शकील कुचामन ने शिविर का अवलोकन कर संस्था के सेवा कार्यो की भुरी भुरी प्रशंसा कर साधुवाद किया। वीर तेज कुमार बडजात्या, संस्था सचिव वीर अजित पहाडिया पहाडिया, बोदु कुमावत, सुरजीत वैष्णव ने शिविर में सराहनीय सहयोग रहा। वीर सुभाष पहाडिया ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। **-वीर सुभाष पहाडिया**

जयपुर अहिंसा फेस्टिवल में पदम जैन बिलाला को किया 'अहिंसा सेवा सम्मान' से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जन मंच ट्रस्ट द्वारा आयोजित किए जा रहे जयपुर अहिंसा फेस्टिवल का समापन समारोह तीन सत्र में रविवार को मालवीय नगर सेक्टर तीन के जैन मंदिर में भव्यता के साथ मनाया गया । इस समारोह के मुख्य सत्र में समाज गौरव पदम जैन बिलाला को शाकाहार व अहिंसा पर किए जा रहे सेवा कार्यों के लिए ''अहिंसा सेवा सम्मान'' से मंच के महामंत्री कमल लोचन , मंदिर ट्रस्ट के सी एल जैन एवं अन्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में राजस्थान के जयपुर सहित कई स्थानों से इस क्षेत्र में कार्य कर रही बहुत सी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सहभागिता रही ।

रोटरी के नेत्र शिविर में 177 मरीजों की जांच हुई

41 हुए ऑपरेशन के लिए चिन्हित

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब द्वारा श्री सदगुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन रोटरी भवन में किया गया। इसमें काफी संख्या में मरीजो ने उपस्थित होकर जांच करवाई एवं 41 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इस नेत्र शिविर में इनर व्हील क्लब एवं श्री करुणानिधि सेवा समिति अशोकनगर का विशेष सहयोग रहा। शिविर में सदगुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय के डॉ. अनिल पटेल ने 177 मरीजो की जांच की एवं 41 मरीजों का ऑपरेशन हेतु चयन किया गया। ज्ञातव्य है कि रोटरी क्लब द्वारा अशोकनगर में प्रतिमाह यह शिविर कई वर्षो से अनवरत रूप से आयोजित किया जा रहा है जिसमे अन्य जिलों से भी मरीज उपचार के लिए आते हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष अजीत जैन एल.आई. सी, सचिव अक्षय जैन वरिष्ठ रोटेरियन, रोशन कोहली, सुभाष जैन ₹कैंची बीड़ी₹, माधो सिंह रघुवंशी, संजीव जैन प्रेस ,इंटरेक्ट क्लब सचिव आशी पालीवाल, सदस्य जयदीप सिंह, अथर्व शर्मा, नंदनी सिंघल सहित अन्य उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का स्थापना दिवस मनाया गया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 31 वां स्थापना दिवस सारे देश में जोर शोर से मनाया गया ' फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू एवं राकेश गोदिका ने बताया कि इंदौर में कीर्ति स्तंभ, महावीर ट्रस्ट परिसर में दि. जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर रीजन द्वारा भव्य समारोह आयोजित किया गया। रीजन अध्यक्ष प्रदीप चौधरी की अध्यक्षता मे आयोजित इस समारोह मे राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश विनायका सहित सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों एवं पूर्व रीजन अध्यक्षों का बहुमान कर सम्मान किया गया। समारोह के शुभारंभ में ध्वज वंदन एवं दीप प्रज्वलन अमित कासलीवाल आर. के जैन, भूपेंद्र जैन सहित सम्माननीय अतिथियों ने किया। बड़ी संख्या में उपस्थित पदाधिकारियों को फेडरेशन की विचारधारा एवं कार्य प्रणाली के संबंध में बाहुबली पांड्या एवं हेंसल पहाड़िया द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्य क्रम के संयोजक दिगंबर जैन सोशल ग्रुप इंदौर नगर, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप प्लेटीनम एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप एक्सीलेंट थे। इस अवसर पर हंसमुख गांधी कमलेश कासलीवाल सुशील पांड्या हेमचंद्र झांझरी प्रदीप गंगवाल संजय अहिंसा संजय कासलीवाल आदि पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अलका जैन ने किया एवं आभार प्रदर्शन रीजन सचिव संजय पापड़ीवाल ने माना ।

दिगम्बर जैन बीसा नरसिंहपुरा नवयुवक मण्डल कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन बीसा नरसिंहपुरा नवयुवक मण्डल (बीस पंथ आमनाय) की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिनांक 31 जुलाई 2025, गुरूवार को अजित निलय, सेक्टर 14 में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पारस सिंघवी (पूर्ण उपमहापौर) एवं गजपाल सिंह राठौड़ (भाजपा जिलाध्यक्ष) ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष आशीष मेहता सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी को संगठन एवं समाज के प्रति समर्पण की शपथ दिलाई। अध्यक्ष आशीष मेहता ने मात्र 6 दिन में 60 नये कार्यकर्ता जोड़ते हुआ मण्डल को नयी ऊंचाई देने का प्राण लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष ऋषभ जसिंगोत ने की। समारोह में सचिव मयंक सिपरिया समेत कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

जीवन में धर्म का मार्ग गुरु ही प्रशस्त करते हैं: उपाध्याय श्री मुनि ऊर्जयंत सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर वात्सल्य रत्नाकर विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य परम पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज ने आयोजित धर्म सभा में मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि भक्तो के जीवन का कल्याण बिना गुरु के असंभव क्योंकि गुरु ही जीवन का वह दर्शन है जिसके बिना भक्ति का मार्ग प्रशस्त नही हो सकता। यदि किसी के पास गुरु का आशीर्वाद गुरु का दुलार नही है तो वह अंधकारमय जीवन जी रहा है यदि जीवन में प्रकाश चाहते हो तो गुरु रूपी गहने को आवश्यक रूप से अंगीकार करने का श्रम करो गुरु ही जीवन की कठिनाइयों से दूर ले जाने का रास्ता बताता है गुरु ही जीवन को धर्म की राह पर चलने का मार्ग बताता है इसलिए बंधुओं मनुष्य के जीवन में गुरु की आवश्यकता उतनी ही है जितनी भोजन की होती है। प्रचार समन्वयक विनेश सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव ने सभी भक्तो को मंगल आशीर्वाद देते हुए णमोकार महामंत्र की प्रशस्ती प्रदान की कार्यक्रम में एमपी जैन, ज्ञान बिलाला, कैलाश सेठी, सुरेश जैन बांदीकुई, विनेश सोगानी, पदमचंद जैन भरतपुर, निर्मल शाह, सतीश कासलीवाल, प्रमोद बाकलीवाल, प्रीति सोगानी, प्रिया बाकलीवाल ने अपनी उपस्थिति प्रदान की।

मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न

कहानी वाचन प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रेमचंद की कहानियों को जीवंत किया, रंगमंचीय प्रस्तुति ने मन मोह लिया

चोमूं. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध लेखक और उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान, चोमूं के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मोरीजा में एक भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार और विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश मानावत ने की, जबकि वरिष्ठ व्याख्याता मुकेश हाटवाल मीणा इस आयोजन के मार्गदर्शक एवं प्रेरणा स्रोत रहे। प्रधानाचार्य प्रकाश मानावत ने मुंशी प्रेमचंद के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रेमचंद की कहानियाँ आज भी समाज की विसंगतियों और मानवता के गहरे मुद्दों को उजागर करती हैं। उन्होंने कहा, ''प्रेमचंद का साहित्य हमें इंसानियत, संवेदना और सामाजिक न्याय की सीख देता है। यह साहित्य आज के युग में और अधिक प्रासंगिक हो गया है।'' कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रधानाध्यापक लेखक लक्ष्मीकांत शर्मा ने प्रेमचंद साहित्य की सामाजिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेमचंद का लेखन आज भी नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को जाग्रत मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न कहानी वाचन प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रेमचंद की कहानियों को जीवंत किया, रंगमंचीय प्रस्तुति ने मन मोह लिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

भाईचारा लक्कड़मंडी एसोसिएशन के शिविर में 100 से अधिक ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर की ममेरा रोड बाईपास पर स्थित भाईचारा लक्कड़मंडी एसोसिएशन की ओर से आज तीसरा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता अमीरचंद मेहता, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रविकुमार लढ़ा व एसोसिएशन के प्रधान राजेन्द्र सिंह सिद्धू ने किया। श्री शिवशक्ति ब्लड बैंक सिरसा के सहयोग से आयोजित इस शिविर में डॉ आरएम अरोड़ा व डॉ अनिल जैन के नेतृत्व में उनकी टीम ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 100 से अधिक रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को ब्लड बैंक व आयोजक संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि रक्तदान को दुनिया का सबसे बड़ा दान माना जाता है। रक्त को किसी फैक्ट्री में बनाया नही जा सकता। इसे ना खरीदा जा सकता और ना ही इसको बेचा जा सकता है। इसे एक स्वस्थ व्यक्ति अपनी इच्छा से केवल दान कर सकता है। रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान को बचाया जा सकता है। वे हर वर्ष इस रक्तदान शिविर का आयोजन कर समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करते है। इस अवसर पर ब्लड मैन ऑफ इंडिया अमरसिंह नायक, नचिकेतन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर रणजीत सिद्धू, भाईचारा लक्कड़मंडी एसोसिएशन के विपिन गिजवानी, मांगीलाल शर्मा, नवीन गिजवानी, अशोक गोयल, सुभाष बंसल, प्रीतमसिंह सिद्धू, पार्षद वेद सैनी, पार्षद पवन जाजू, ओमप्रकाश खांडेकर, बलविंदर सिंह, स्वर्ण सिंह डोल, राधेश्याम, हरजिंदर सिंह, लीलूराम, डूंगरराम, हरजीत सिंह, सुभाष सेठी, पवन सिहाग, सुधीर सिहाग, सुरेंद्र पटवारी, विकास सिहाग, नीरज फुटेला, सुखराज सिंह, बलबीर सिंह, संदीप मुत्ती सहित अन्य कई प्रमुख लोग भी उपस्थित थे।

नश्वर संसार में अमर होती है निष्कलंक मित्रता: उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जिसके हृदय में मैत्री बसती है, उसके जीवन में माधुर्य अपने आप उतर आता है। यह विचार उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने रविवार को शांतिभवन में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता वही है, जो बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के निभाई जाए। उन्होंने कहा मित्रता का वास्तविक मूल्य तब समझ में आता है, जब जीवन में कठिनाइयाँ आती हैं। सुख के साथी तो बहुत मिल जाते हैं, लेकिन जो दुख की घड़ी में निस्वार्थ भाव से साथ खड़ा रहे वही सच्चा मित्र कहलाता है।आज रिश्ते समय और स्वार्थ की डोर से बंधते हैं, परंतु मित्रता एक ऐसा पवित्र बंधन है, जो न शर्तों पर आधारित होता है, न ही किसी स्वार्थ पर। महासती विद्याश्री ने श्रीकृष्ण और सुदामा की निष्कलंक मित्रता को आदर्श

उदाहरण बताते हुए कहा आज के स्वार्थपूर्ण युग में वही मित्रता अमूल्य है, जो किसी अपेक्षा के बिना निभाई जाती है। सच्चा मित्र वह है जो संकट की घड़ी में संबल बने, बिना कहे पीड़ा को समझे और बिना मांगे सहायता करे। साध्वी हर्षश्री एवं साध्वी जयश्री ने संबोधन में कहा इस संसार में न शरीर स्थायी है, न धन और न यश। यदि कुछ स्थायी है, तो वह है आपका व्यवहार, आपके कर्म और आपका आचरण। यही वो निधियाँ हैं, जो व्यक्ति के जाने के बाद भी उसे लोगों के हृदय में जीवित रखती हैं। धर्मसभा में विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रद्धालुओं सहित सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर शांतिभवन अध्यक्ष राजेंद्र चीपड़, मंत्री नवरतनमल भलावत, नवरतनमल बंब, कंवरलाल सूर्या, पंकज सूर्या, आनंद चपलोत सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रवक्ता निलिष्का जैन ने जानकारी दी कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में महिलाओं के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में 80 से अधिक बच्चों की उपस्थिति रही।

-प्रवक्ता निलिष्का जैन

300 महिलाओं ने लहरिया उत्सव में भाग लिया

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर । श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा लहरिया उत्सव का आयोजन ''रंगीला सावन आयो रे ,सुरंगों सावन आयो रे,बरखा री बूंदा ल्यायो रे'' छोटे धड़े की नसिया के आदिनाथ निलय में आयोजित किया गया ।समिति की पदाधिकारियों द्वारा मंगलाचरण एवं पार्श्वनाथ कॉलोनी इकाई द्वारा भक्तिनृत्य करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की तत्पश्चात पंचशीलनगर इकाई द्वारा सास बहु पर,वैशाली नगर इकाई द्वारा मां बेटी पर,सोनी नगर इकाई द्वारा दोस्ती पर,छतरी योजना इकाई द्वारा पति पत्नी पर आकर्षक नृत्य करते हुए प्रस्तुति दी। म्यूजिकल तंबोला पर समिति की सभी इकाई सदस्याओं द्वारा बारी बारी नृत्य किया गया इस अवसर पर ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी रखी गई विजेताओं को समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही अन्य मनोरंजन कार्यक्रम का भरपूर लुफ्त उठाया। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी व युवा महिला संभाग अजमेर की अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि इस अवसर पर सी ए फाइनल की परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले साधर्मी भाविका जैन,सिद्धार्थ जैन,वेदांश जैन, शुभी जैन व प्राँशी जैन का एवं समिति को पूर्व में अपना नेतृत्व प्रदान करने वाली श्रीमती निर्मला पांड्या ,श्रीमती आशा जैन शुभम,श्रीमती शिखा बिलाला ,श्रीमती अर्चना गंगवाल व श्रीमती रोशनी सोगानी का सम्मान किया गया मंत्री सुषमा पाटनी व रिंकू कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती कमलेश राकेश पालीवाल,श्रीमती सुधा मुकेश पालीवाल,विशिष्ट अतिथि इंदु पायल यामिनी पाटनी व श्रीमती अनिता श्रेयांश पाटनी,अंतिमा हर्ष पाटनी,दीप प्रज्जलवन कर्ता श्रीमती रीटा नरेश जैन श्रीमती कृति अर्पित जैन रहे ।समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को शशिकला सरोज सुमन विनीता गदिया परिवार के सौजन्य से पुरस्कृत कर सम्मानित कराया गया।

महारानी कीट्टी क्लब द्वारा फ्रेंडशिप डे उल्लासपूर्वक मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

महारानी फार्म, दुर्गापुरा स्थित महारानी कीट्टी क्लब द्वारा फ्रेंडशिप डे का आयोजन बजाज नगर स्थित कहवा रेस्टोरेंट में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती शकुन्तला विजयवर्गीय ने बताया कि सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांधकर मित्रता की शुभकामनाएँ दीं तथा जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में दोस्ती पर आधारित गीतों पर जमकर नृत्य किया गया, जिससे समूचा वातावरण उल्लासमय हो उठा। हाऊजी तथा मित्रता पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में और भी रोचकता जोड़ दी। इस अवसर पर मीना अग्रवाल, प्रमिला अरोड़ा, रजनी गुप्ता, बीना गुप्ता, सुधा गुप्ता, रेखा गुप्ता, अनीता चौधरी, जयश्री चौधरी, सिल्की अग्रवाल, निर्मला गुप्ता, नवनीत, अर्चना जालानी, सुमन शर्मा सहित कई अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन सहभोज के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एक-दूसरे से भावपूर्ण विदाई ली।

नसीराबाद में टेन्ट डीलर्स किराया व्यवसाय के चुनाव हुए निर्विरोध सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अजमेर जिले की नसीराबाद तहसील में टेन्ट डीलर्स किराया व्यवसाय के चुनाव शनिवार को निर्विरोध एवं सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न हुए। राजस्थान टेन्ट डीलर्स किराया व्यवसाय समिति के तत्वावधान में नसीराबाद टेन्ट डीलर्स किराया व्यवसाय समिति का गठन किया गया। चुनावों के कार्यक्रम की अध्यक्षता अजमेर टेन्ट डीलर्स समिति के अध्यक्ष चरणजीत सिंह ने की व विशिष्ट अतिथि अजमेर संभाग के अध्यक्ष मोहम्मद अजीम (अज्जू भाई) एवं मुख्य अतिथि धर्मेंद्र जैन, सर्वेश्वर तिवारी व अनूप ऐरी रहे।

दृष्टि बदलिये सृष्टि अपने आप बदल जायेगीः आचार्य सुंदर सागर

भक्ताम्बर विधान का हुआ भव्य आयोजन, पांच अगस्त को होगा बाहुबली विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर चित्रकूट कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर में चातुर्मासरत आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार को विश्व शांति की कामना के लिए भव्य शांति विधान पूजन का आयोजन किया गया। मँदिर समिति अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि आचार्य श्री का चातुर्मास भव्य तरीके से चल रहा है रोजाना देश के कोने कोने से सेकड़ो लोग आचार्य श्री के दर्शनों के लिए आ रहे है। प्रातः क्रमिक सुंदर मंगल प्रवचन की श्रृंखला

में आज आचार्य श्री ने कहा कि व्यक्ति खुद को नही बदलना चाहता है अपितु दुसरो को बदलने में लगा रहता है इसीलिये दुःखी है उन्होंने कहा कि आप अपने आचरण को सुधार लीजिये आप को देखकर दूसरे लोग भी सुधर जायेंगे क्योंकि बदलाव कथनों से नही अपितु कृत्यो से होता है। आचार्य श्री ने धर्म सभा मे कहा कि हम सृष्टि को नही बदल सकते है परंतु यदि अपनी दृष्टि बदल लेंगे तो सृष्टि अपने आप बदल जायेगी। आज के भौतिक युग मे व्यक्ति चिंता ग्रस्त है और चिंता चिता से भी खतरनाक होती है क्योंकि चिता मरने के बाद जलाती पर चिंता जीते जी जला देती है। आप देव शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखिये आप को आगे बढ़ने से कोई नही रोक सकेगा। हमे खुद को आगे बढ़ाने का, ऊँचा उठने का प्रयास करना चाहिए परंतु आगे बढ़ने के दुसरो को गिराना नही चाहिए ना ही ऐसी सोच रखनी चाहिए। याद रखना जो दुसरो को गिराने की सोच रखता है वह व्यक्ति कभी आगे नही बढ़ सकता है। आचार्य श्री ने कहा की हमे पुण्य के उदय से मानव यौनी मिली है इसका उपयोग आत्म कल्याण के कीजिये। केवल मनुष्य मे ही भगवान बनने की क्षमता होती है इसीलिये भगवान बनना चाहते हो मोक्ष जाना चाहते होतो भगवान महावीर के सिद्धांतो पर चलना शुरू कर दीजिये। कोषाध्यक्ष महेंद्र सोगानी ने बताया कि प्रवचन के बाद आचार्य श्री के सानिध्य में साज बाज के साथ संगीतमय शांति विधान की पूजा की जाकर विश्व शांति के लिए पुण्यार्जक परिवार बाबूलाल बैद ने अष्ट द्रव्य के अर्घ्य अर्पित किये।

पांच अगस्त को होगा बाहुबली विधान

संयोजक सुनील जैन व कैलाश सोगानी ने बताया कि चातुर्मास के बीच आचार्य श्री के सानिध्य में पहली बार आर्यिका सुकाव्यमति माताजी द्वारा रचित बाहुबली विधान का संगीतमय आयोजन होगा। सागर से पधारे संगीतकार अपनी धुनों के साथ श्रद्धालुओं की भक्ति को अर्घ्य के रूप में भगवान को समर्पित करेंगे।

उपमहापोर ने किये दर्शन

धर्म सभा में जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया एवम मीडिया में उठाये गये मुद्दे के बाद क्षेत्र की सड़को का निरीक्षण कर उनको सही कराने का आश्वासन दिया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आयोजित FRIENDSHIP DAY SPECIAL FAMILY EVENT

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने फ्रेंडशिप डे के उपलक्ष्य में एक भव्य फैमिली इवेंट का आयोजन कर एक और शानदार अध्याय जोड़ा। Infinity Club में आयोजित इस कार्यक्रम में क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों ने पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ भाग लिया। यह आयोजन रोटरी क्लब के पारिवारिक जुड़ाव, मैत्री भावना और मनोरंजन का जीवंत प्रतीक बन गया। कार्यक्रम में क्रिकेट महाकुंभः क्लब की 6 टीमों के बीच हुए रोमांचक मैचों ने सभी को खेल भावना से भर दिया। Friendship Day Gamesः सभी सदस्यों के लिए मजेदार और संवाद-प्रधान खेलों का आयोजन। बच्चों के लिए फन एक्टिविटीजः गेम्स, प्रतियोगिताएं और सरप्राइज़ गिफ्ट्स ने बच्चों का मन मोह लिया। महिलाओं के लिए मनोरंजनः विविध खेलों और मनोरंजक गतिविधियों ने कार्यक्रम में रंग भर दिए। हाई टीः स्वादिष्ट नाश्तों और आत्मीय संवादों ने एक पारिवारिक वातावरण तैयार किया। कार्यक्रम के अंत में रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन ने सभी सदस्यों और परिजनों को संबोधित करते हुए कहाः "रोटरी सिर्फ सेवा नहीं, एक परिवार है। हम सेवा कार्यों के साथ-साथ आपसी संबंधों और सौहार्द को भी मजबूती से जोड़ने का कार्य करते हैं।" यह आयोजन दोस्ती, हंसी और यादगार लम्हों से भरा हुआ रहा, जिसे सभी प्रतिभागियों ने लंबे समय तक संजो कर रखने का वादा किया।

मित्रता दिवस पर सखी लेडीज क्लब ने किया पौधारोपण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। सखी लेडीज क्लब द्वारा मित्रता दिवस के अवसर पर आई एल मंदिर के सामने राधा कृष्ण वाटिका में पौधारोपण किया गया। क्लब अध्यक्ष सीमा गाँधी ने बताया कि वार्ड पार्षद योगेश अहलुवालिया और रुचि अहलुवालिया के सानिध्य एवं सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। पौधारोपण में अध्यक्ष सीमा गांधी सचिव मंजू पाहवा उपाध्यक्ष मीना यादव कोषाध्यक्ष उषा चावला, संयोजक रमा बाहेती एवं संरक्षण सरोज गुप्ता इत्यादि सदस्यों द्वारा नीम, कनेर, बेल पत्र, पीपल, अशोक आदि पौधे लगाये गये कार्यक्रम को एक पौधा दोस्तों के नाम के रूप में मनाते हुए मित्रता दिवस के पर्व का आनन्द लिया अंत में आई एल मंदिर में भक्ति पूर्वक प्रसाद रूप में अल्पाहार ग्रहण कर एक दूसरे को आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समाप्त किया।

जीव दया बेहद जरूरी...

क्या केवल पूरे भारतवर्ष में एक माधुरी ही एकाकी जीवन जी रही थी या वह जंजीरों से जकड़ी हुई थी। कर्नाटक के अनेकों मंदिरों में ऐसे हाथी और हथनी बंधे हुए हैं उन पर पेटा के द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही? उन्हें वनतारा में क्यों नहीं भेजा जा रहा है प्रश्न उठता है कि क्या जैन समाज जो कि विश्व में सबसे ज्यादा अहिंसक और जीव दया के प्रति अपनी भावना रखता है वह क्या किसी जीव को सता सकता है क्या उसके साथ अत्याचार कर सकता है।

1- मैसूर के महलों में बैलों से जकड़े हुए हाथी आपको देखने के लिए मिल सकते हैं। उन से पर्यटकों के माध्यम से व्यापार भी किया जाता है तो क्या वह पशु क्रूरता के अंतर्गत नहीं आते या सरकार को दिखलाई नहीं देती।

2- हाथी गांव जयपुर में अनेको हाथी पाले जाते हैं और उनके ऊपर साज बांध कर उन्हें व्यापार के लिए प्रयोग किया जाता है दूर-दूर तक ले जाकर उनसे सामाजिक धार्मिक आयोजनों में प्रदर्शन किए जाते हैं यहां तक की बारात में भी निकासी में हाथी का उपयोग किया जाता है क्या वह पशु क्रूरता नहीं है?

3- अनेको राजकीय कार्यक्रमों में हाथी के माध्यम से माला पहनाई जाती है। अभी कुछ दिन पहले जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भी हाथी के द्वारा अतिथियों को माला पहनाने का कार्य किया गया और वह हाथी पक्के पर बंधा खड़ा रहा क्या यह पशु क्रूरता नहीं है?

4- अनेकों धार्मिक शोभायात्रा में हाथी के साथ-साथ घोड़े ऊंट बेल आदि का भी उपयोग किया जाता है तो क्या वह भी पशु क्रूरता है उस पर भी रोक लगनी चाहिए क्या केवल एक माधुरी पर ही क्रूरता हो रही थी।

वनतारा में माधुरी को भेज कर कोल्हापुर और नांदनी की जनता के साथ अन्याय किया गया है तो वहीं जैन समाज को भी कटघरे में खड़े करने का काम किया गया है।सरकार को अति शीघ्र माधुरी को पुन वापस नंदिनी क्षेत्र में भेज देना चाहिए यही हमारी मांग है।

संजय जैन बड़जात्या कामां

सच्चे श्रावक बनोगे तो सच्चे गुरु मिलेंगे: मुनि आदित्य सागर

दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का हुआ समापन

जयपुर। पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि आदित्य सागर महाराज के सान्निध्य में कीर्ति नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सोलहकारण कारण भावना अनुशीलन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का समापन रविवार को हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता डा. शीतल चन्द जैन ने की। इस मौके पर मुनि श्री ने कहा कि तत्व चिंतन के साथ तत्व लीनता भी आती है। सज्जनों का पुरुषार्थ रहता है कि सभी का भला हो। मन वचन काय का योग शुभ हो सकता है, शुद्ध नहीं हो सकता। अगर हम सच्चे श्रावक बन जाएंगे तो हमें निश्चित सच्चे गुरु की प्राप्ति होगी। मुनि श्री ने आगे कहा कि योग्यता और योग्य निमित्त बनने पर ही कार्य होता है। भगवान बनने की क्षमता है लेकिन योग्य नियुक्त मिलेगा तभी हम भगवान बन पाएंगे। सोलह कारण भावनाओं में ही परिणामों की विशुद्धि बनती है। जीवन जीने की कला है किसी कारण तीर्थंकर प्रकृति का वंध होता है। आज हमें जैन की संख्या नहीं बढ़ानी है बल्कि जैन आचरण की संख्या बढ़ानी है। भारत की समृद्धि सुख शांति के लिए 16 कारण भावना को स्थापित करना होगा। मुनि श्री ने कहा कि भगवान बनने के लिए हमें इंसान बनना पड़ेगा। इंसानियत लानी होगी। मानवता को जागृत करना चाहिए जब मानवता जागृत होगी तो निश्चित ही हम भगवान बन सकते हैं। जीवन जीने की कला सीखेंगे तब भगवान बन पाएंगे। सत्य मार्ग नी प्रभावना के लिए हमें हमेशा सत्य मार्ग पर चलना होगा प्रभावना आगम की हो निज की नहीं करनी चाहिए। बल्कि हमें प्रभावना सत्य की करना चाहिए। जिन शासन में गुणों की प्रभावना होती है धर्म प्रभावना के लिए हठ व पंथवाद को छोडना होगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि सोमवार, 4 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे मुनि आदित्य सागर ससंघ के सानिध्य में धर्म सभा का आयोजन होगा। नीति रहस्य पर मुनि श्री के मंगल प्रवचन होंगे। प्रचार मंत्री आशीष बैद के मुताबिक सायंकाल 6.15 बजे श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सिद्धार्थ नगर जैन मंदिर पार्श्वनाथ अनुष्ठान में गूंजे जयकारे

भगवान पार्श्वनाथ की भक्ति को समर्पित कल्याण मन्दिर स्तोत्र पाठ में 64 ऋद्धि मंत्रों और 44 दीप प्रज्जवलन से की आराधना

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिद्धार्थ नगर के दिगम्बर जैन मंदिर में देवाधिदेव श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान की आराधना में प्रथम बार कल्याण मन्दिर स्तोत्र पाठ से 64 ऋद्धि मंत्रो के साथ 44 दीप प्रज्जवलन कर श्री पार्श्वनाथ अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूरा मंदिर परिसर भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। सिद्धार्थ नगर जयपुर मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर उमा रावका परिवार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर पाठ का शुभारंभ किया। भगवान पार्श्वनाथ और परम पूज्य आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के चित्र के सम्मुख प्रथम दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस मौके पर 64 ऋद्धि मंत्रों के सामूहिक उच्चारण के साथ 44 दीपकों का प्रज्जवलन किया गया जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सिद्धार्थ नगर निवासी मुनि भक्त मनीष चौधरी ने बताया कि ये कल्याण मन्दिर स्तोत्र भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की संस्कृत भाषा में रचित विश्व प्रसिद्ध कृति है जिसकी रचना आचार्य कुमुदचंद्र स्वामी ने की है और इसका हिन्दी भाषा में सरल और सुबोध पद्यानुवाद आर्यिका पूर्णमति माताजी द्वारा किया गया है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर द्वारा लहरिया महोत्सव का आयोजन

मंजू छाबडा लहरिया क्वीन बनी

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर द्वारा लहरिया कार्यक्रम बापूगांव में किया गया।सर्वप्रथम ग्रुप के सभी सदस्य जयपुर के दुगार्पुरा से एकत्रित होकर बस द्वारा बापूगांव पहुंचे। वंहा सबसे पहले मंदिरजी में भक्तामर का पाठ किया , फिर सदस्यों ने छोटागिरनार की पहाडी की वंदना की। डां शान्ति जैन मणि,नवरतन ठोलिया व मधु जैन ने मंगलाचरण किया।भगवान के चित्र का अनावरण मधु जैन दुगार्पुरा ने किया व दीपप्रज्जवलन के सी बज-बिमला बज ने किया।धार्मिक हाऊजी खिलाई व पारितोषिक वितरण किया।जिन सदस्यों का जून व जुलाई में जन्म व विवाह हआ,उन सभी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।इसके बाद लहरिया क्वीन चयन के लिए ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन श्मणिश ने के सी बज वरिष्ठ उपाध्यक्ष धार्मिक प्रश्नमंच के आधार पर तीन महिलाओ कौ चयनित किया जिसमें मंजू छाबडा, डां शान्ति जैन मणी,बिमला बज थी। अन्त में मंजू छाबडा लहरिया क्वीन चयनित होने पर बारी बारी से महिलाओ ने उनके माला, दुपट्टा, क्राउन व मौमेन्टौ भेंट किया। सभा के अन्त में भक्तामर का 26वां श्लोक का पाठ किया व मीटिंग हुई। सचिव सुरेश गंगवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पदमप्रभु महिला मण्डल ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया। सावन की हरियाली और तीज के उल्लास के बीच 2 अगस्त को पदमप्रभु महिला मण्डल अवधपुरी की ओर से बोदला रोड स्थित बोदला हॉस्पिटल के पास फोरेस्ट्रो रेस्टोरेंट में हरियाली तीज महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यकम का शुभारंभ णमोकार महामंत्र एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुओमहिला मंडल की सभी महिलाओं ने हरे परिधान पहनकर सावन के पारंपरिक गीतों पर जमकर नृत्य किया,और साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईंजिसमें मंडल की सभी सदस्यों ने सहभागिता कर महोत्सव को यादगार बना दियोइस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद मीनाक्षी वर्मा एवं वीना जैन उपस्थित रहौजिनका पदमप्रभु महिला मंडल द्वारा स्वागत सम्मान किया गयोइस अवसर पर करुणा जैन हेमलता जैन,कविता जैन,अंजू जैन,शालू जैन,बीना जैन, रंजना जैन,रीता जैन,पुष्पा जैन, अंजली जैन,समस्त पदमप्रभु महिला मंडल की सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रही। **रिपोर्ट शुभम जैनः मीडिया प्रभारी**

नई पीढ़ी को सुदृढ़ व संबल बनाने के लिए संस्कारों का करे बीजारोपण : मुनि अनुपम सागर

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शुभ कार्यों में कभी विलंब नहीं करना चाहिए ओर अशुभ कार्य में कभी हड़बड़ाती नहीं करनी चाहिए। समझादार को समझाने की जरूरत नहीं है ओर नासमझ को समझाना बेकार होता है। समय पर संस्कारों का बीजारोपण करेंगे तो हमारी नई पीढ़ी को सुदृढ़ता ओर संबलता मिलेगी। ये विचार श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में वर्ष 2025 का चातुर्मास कर रहे पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागर महाराज के शिष्य मुनि अनुपम सागर ने रविवार को संयम भवन में चातुर्मासिक (वषायोग) प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में सही वक्त पर सही स्थान पर सही मरहम लगाएंगे तो हर तरह की चोट का घाव जल्द भर जाएगा। जो जिनवाणी सुनकर उसमें दिए गए उपदेशों को जीवन में अमल में लाता है उसकी जिंदगी सार्थक हो जाती है। प्रवचन में मुनि निर्मोहसागर महाराज ने कहा कि हम सम्यकत्व को छोड़कर मिथ्यात्व की विपरीत मान्यताओं के जाल में फंसने से धर्म से विमुख होते है।

राजस्थान जैन साहित्य परिषद द्वारा 'सुखी रहने का रहस्य' विषय पर आयोजित की गई गोष्ठी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिनवाणी के प्रचार प्रसार के लिए समर्पित राजस्थान जैन साहित्य परिषद द्वारा प्रति माह आयोजित की जाने वाली गोष्ठी के अन्तर्गत ''सुखी रहने का रहस्य'' विषय पर परिषद के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला की अध्यक्षता में मान सरोवर, राधा निकुंज जैन मंदिर में शाम को आयोजित की गई । परिषद के मंत्री महावीर चांदवाड़ के अनुसार श्री श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के विद्वान प्रतिष्ठाचार्य संजय शास्त्री द्वारा जैन आगम के अनुसार सहज एवं सरल भाषा में बताया की अहम को त्याग कर संयम को धारण किया जाये तो स्वयं भी सुखी और घर का वातावरण भी सुखी हो जाएगा ।यही सुखी होने का रहस्य है। आगन्तुक विद्वान का शाल, प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। परिषद के उपाध्यक्ष राजेन्द्र पापड़ीवाल व कोषाध्यक्ष प्रद्युमन जैन ने बताया की श्राविका इन्द्रा जैन व पाठशाला की छात्राओं ने मंगलाचरण किया। श्री जी के सम्मुख अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर गोष्ठी का शुभारंभ हुआ जिसके बाद परिषद अध्यक्ष द्वारा सभी का शाब्दिक स्वागत किया गया । परिषद के सह सचिव रमेश गंगवाल के अनुसार गोष्ठी के मुख्य अतिथि विमल कुमार जी पाटनी तथा अतिथि सुरेन्द्र काला का तिलक, माल्यार्पण कर सम्मानित किया।गोष्ठी में परिषद के संरक्षक महेश चान्दवाड, डाक्टर विमल कुमार जैन, हीराचंद वैद, हरक चन्द बडजात्या हमीरपुर वाले, उदयभान जैन सन्तोष चान्दवाड, मन्दिर समिति के अध्यक्ष कैलाश चन्द छाबडा , मंत्री विजय कुमार पाण्डया उपस्थित रहे। परिषद के मंत्री ने विद्वान, मन्दिर जी के पदाधिकारियों व उपस्थित श्रोता गणों का आभार व्यक्त कर जिनवाणी स्तुति के साथ गोष्ठी सम्पन्न हुई।